Title: Urged the Government to reconsider the decision of population-based recruitment of soldiers to the Army with particular reference to Himachal Pradesh.

श्री ्सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : अध्यक्ष महोद्य, रक्षा मंत्राल्य ने ज्ब ्से आ्बादी के आधार पर ्भर्ती का न्यिम ्बना्या है त्ब ्से कुछ पहा्ड़ी प्रदे्शों पर इसका ्ब्ड़ा प्रभा्व प्ड़ा है। हिमाचल प्रदे्श में ्भी इ्सका प्रभा्व हुआ है। हिमाचल प्रदे्श के नौज्वान ्सेना में ्भर्ती होकर दे्श की ्से्वा में अपना ्योगदान देने को गौर्व ्समझते हैं। मुझे ्बताते हुए ्भी गौर्व होता है कि पिछले दिनों कारगिल के ्युद्ध के दौरान ्भी आ्बादी के आधार पर अधिक ्संख्या में ्वहां के ज्वान ्वीरगति को प्राप्त हुए। दे्श में मिले चार परम्वीर च्क्रों में ्से दो परम्वीर च्क्र हिमाचल प्रदे्श को प्राप्त हुए। अ्भी स्ियरी लि्योन में ्भी अनेक ज्वान ्वीरगति को प्राप्त हो रहे हैं। मैं आप्से नि्वेदन करना चाहता हूं कि जो जज््बा ्वहां के नौज्वानों में दे्श की ्सेना में जाने का है और ्वहां दे्श की ्से्वा करने की जो ्भा्वना है, उ्से ध्यान में रखते हुए आ्बादी के आधार पर जो ्भर्ती का न्यिम ्बना्या है, उ्से ्बदला जाए ताकि जो लोग ्सेना में जाने के इच्छुक हैं, उनको जाने का अ्वसर प्राप्त हो ्सके।